

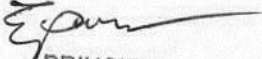
LESSON PLAN PRESENTATION

उद्देश्य

- ज्ञान
- अवबोध
- जानो प्रयोग
- कौशल

अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन

- 1 विद्यार्थी वाष्पोत्सर्जन से संबंधित तथ्यों का प्रत्यास्मरण कर सकेंगे।
- 2 विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के वाष्पोत्सर्जन का प्रत्याभिज्ञान कर सकेंगे।
- 1 विद्यार्थी वाष्पोत्सर्जन की व्याख्या कर सकेंगे।
- 2 विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के वाष्पोत्सर्जन वर्णन करेंगे।
- 3 विद्यार्थी वाष्पोत्सर्जन का महत्व बता सकेंगे।
- 1 विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के वाष्पोत्सर्जन के ज्ञान का उपयोग उच्चतर कक्षा में कर सकेंगे।
- 2 विद्यार्थी वाष्पोत्सर्जन की क्रिया विधि का उपयोग दैनिक जीवन में कर सकेंगे।
- विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के वाष्पोत्सर्जन को चित्रों के द्वारा दशा सकेंगे

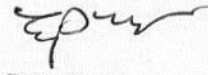

PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

प्रस्तावना

छात्रा अध्यापिका क्रिया

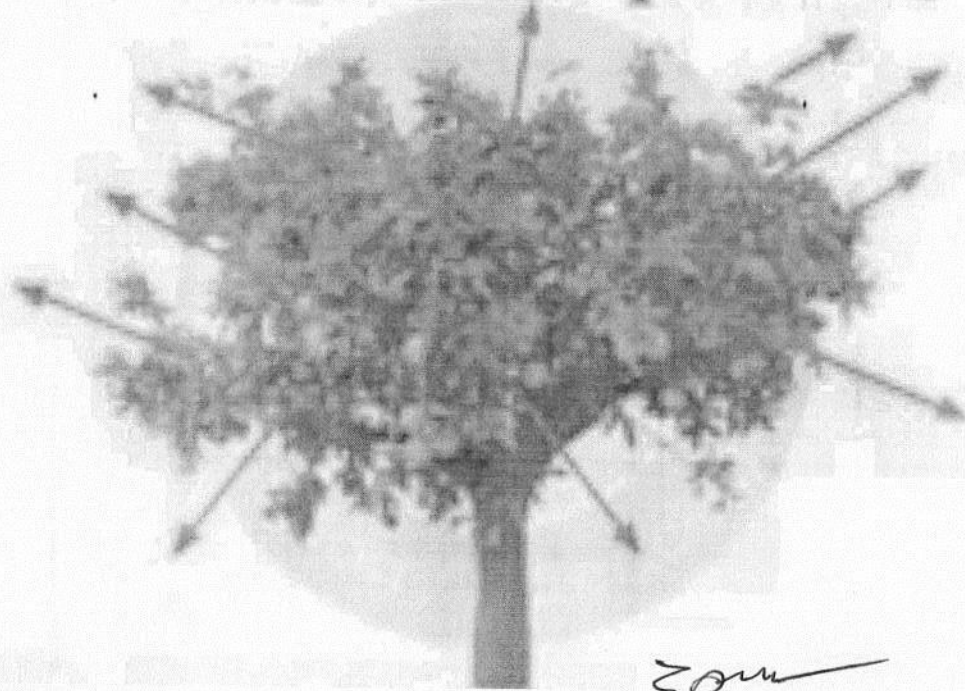
- 1 पौधों के मुख्य रूप से कितने भाग होते हैं?
- 2 पौधे के मुख्य भागों के नाम बताइए?
- 3 पौधे की वायुवीय भाग कौन-कौन से होते हैं?
- 4 पत्तियों में उपस्थित छोटे-छोटे छिद्रों को क्या कहते हैं?
- 5 वाष्पोत्सर्जन किसे कहते हैं?

छात्र क्रिया



PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

वाष्पोत्सर्जन(Transpiration)



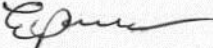
[Handwritten Signature]

PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

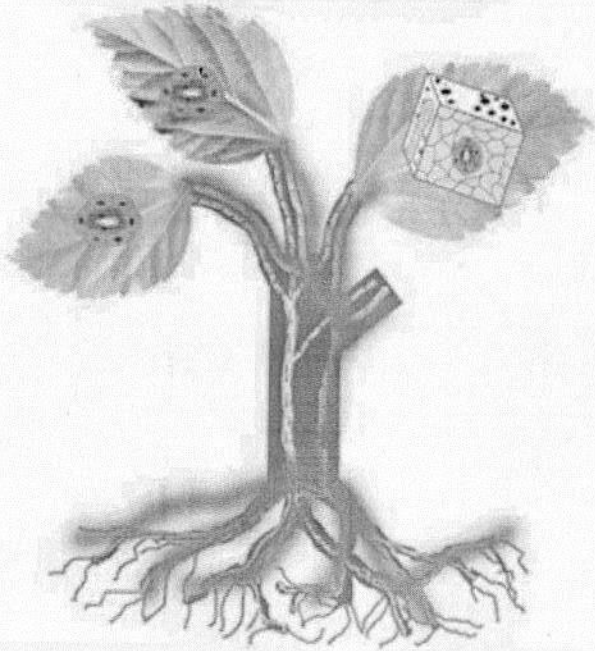
- विकासात्मक प्रश्न=
 - 1 पौधों में जल का अवशोषण किसके द्वारा होता है?
 - 2 पौधों में जल का संवहन कौन सा उत्तक करता है?
 - 3 वाष्पोत्सर्जन किसे कहते हैं?

1 शिक्षण बिंदु =

- वाष्पोत्सर्जन की परिभाषा।


PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

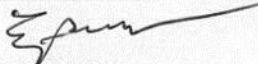
वाष्पोत्सर्जन



PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

वाष्पोत्सर्जन

पेड़-पौधों द्वारा मिट्टी से अवशोषित जल का अधिकांश भाग पत्तियों तथा तनों द्वारा वाष्प के रूप में निकल जाता है तथा इस अवशोषित जल का केवल 5% जल ही पेड़-पौधे अपने विकास में प्रयुक्त करते हैं पादपों में जल के इस अधिकांश भाग का वाष्प के रूप में उत्सर्जन "वाष्पोत्सर्जन" कहलाता है यह क्रिया रन्ध्र द्वारा होता है।

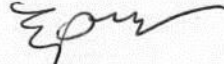

PRINCIPAL

BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

- विकासात्मक प्रश्न=
 - 1 पौधे प्रकाश संश्लेषण की क्रिया में कितने पर्सेंट जल का उपयोग करते हैं,?
 - 2 पौधे अनावश्यक जल को किसके द्वारा उत्सर्जित करते हैं?
 - 3 वाष्पोत्सर्जन कितने प्रकार का होता है?

2 शिक्षण बिंदु=

वाष्प उत्सर्जन के प्रकार।


PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

Transpiration (वाष्पोत्सर्जन)

Types Of Transpiration -:

Mainly 3 Type

1. Stomatal Transpiration (रंध्रीय वाष्पोत्सर्जन)
2. Cuticular Transpiration (उपत्वचीय वाष्पोत्सर्जन)
3. Lenticular Transpiration (वातरंध्रीय वाष्पोत्सर्जन)




Stomatal
transpiration



Cuticular
transpiration

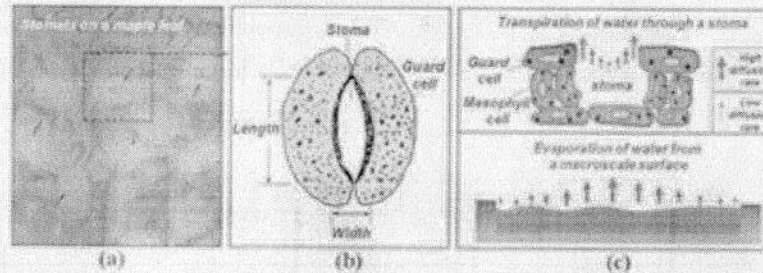


Lenticular
transpiration


PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

Transpiration (वाष्पोत्सर्जन)

1. Stomatal Transpiration -:



पत्तियां वाष्पोत्सर्जन का प्रमुख अंग है | पत्तियों की सतह पर रंध्र (Stomata) उपस्थित होते हैं | इस विधि द्वारा लगभग 80-90% वाष्पोत्सर्जन होता है |

Epan

PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC-3, VIKRAM NAGAR, JAIPUR

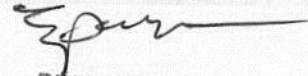
Transpiration (वाष्पोत्सर्जन)

2. Cuticular Transpiration -:

अधिकांश मरुस्थलीय पौधों की पत्ती क्यूटिकल से ढकी होती है, जो सामान्यतः जल के प्रति अपारगम्य होती है, परंतु ये कुछ स्थानों से पतली व टूटी हुई होने के कारण वहां से जल की थोड़ी मात्रा वाष्प के रूप में चली जाती है | इस विधि द्वारा लगभग 5-10% वाष्पोत्सर्जन होता है |

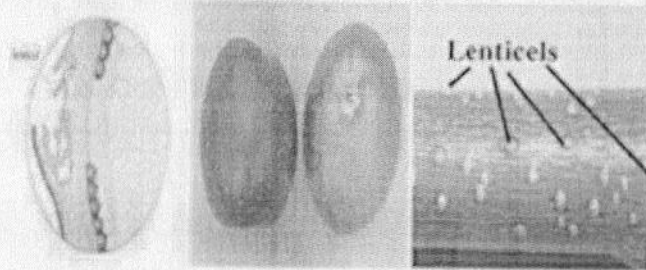
Transpiration through cuticle




PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

Transpiration (वाष्पोत्सर्जन)

3. Lenticular Transpiration -:

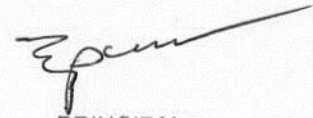


कुछ फलों की सतह पर छोटे-छोटे छिद्र होते हैं, जिन्हें Lenticels कहते हैं, जिनसे जल वातावरणीय कारक द्वारा वाष्प के रूप में उड़ जाता है | इस विधि से लगभग 0.1% वाष्पोत्सर्जन होता है |


PRINCIPAL

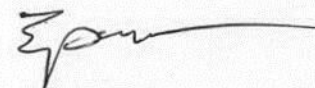
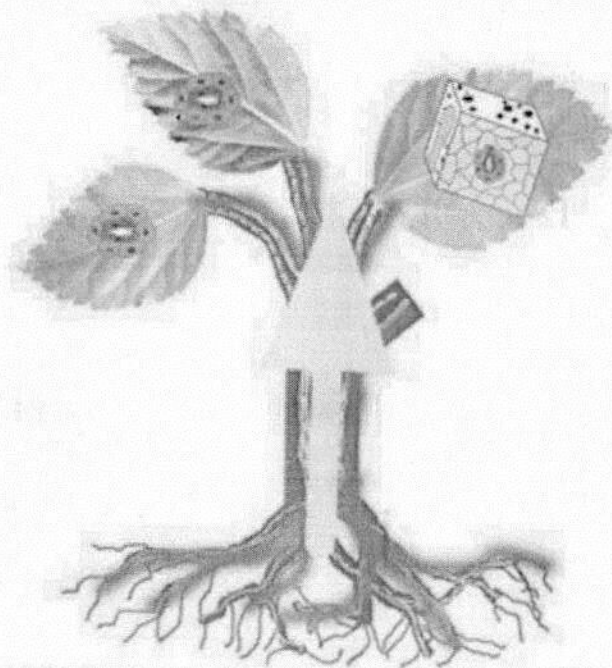
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

- विकासात्मक प्रश्न=
 - 1 वाष्पोत्सर्जन की प्रक्रिया पेड़ की किस भाग द्वारा होती है?
 - 2 सर्वाधिक वाष्पोत्सर्जन किसके द्वारा होता है।?
 - 3 वाष्पोत्सर्जन का क्या महत्व है?
- 3 शिक्षण बिंदु=
 - वाष्प उत्सर्जन का महत्व



PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

1. ताप का नियमन :-



PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC-3, VIDYASAR NAGAR, JAIPUR

1. ताप का नियमन :-

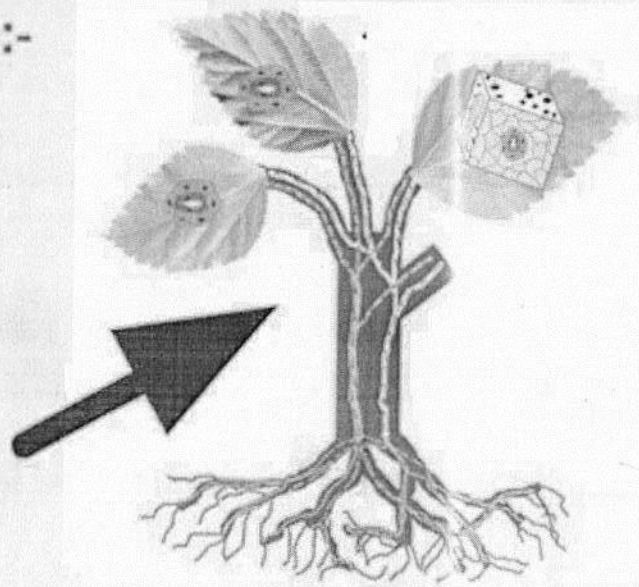
वाष्पोत्सर्जन के कारण जल वाष्प बनकर बाहर
निकलता है
जिससे नीचे जड़ों द्वारा जल पादपों में
लगातार
आता रहता है जो पेड़ पौधों को ठंडक प्रदान करता है।



PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

वाष्पोत्सर्जन की आवश्यकता

2. खनिज लवणों की प्राप्ति :-



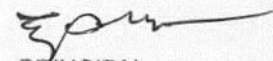
[Signature]

PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYAPUR NAGAR, JAIPUR

2. खनिज लवणों की प्राप्ती :-

**वाष्पोत्सर्जन के कारण पादप जल का
अवशोषण**

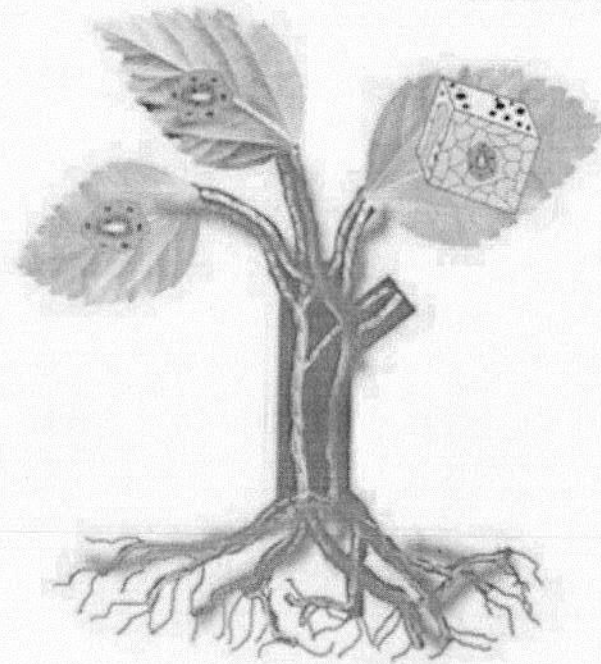
**करता है तथा जल में खनिज तथा
लवण भी मिले होते हैं अतः पादप में खनिज
लवण की आवश्यकता पूरी होती रहती है**



PRINCIPAL

BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

3. रसरोहण :-



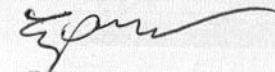
[Handwritten Signature]

PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR



3. रसरोहण :-

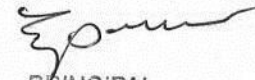
वाष्पोत्सर्जन के कारण ही रसरोहण
की क्रिया
पादपों में सफल हो पाती है।



PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

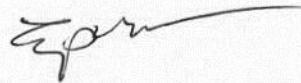


- मूल्यांकन प्रश्न=
- बहुविकल्पी प्रश्न
- 1 वाष्पोत्सर्जन कितने प्रकार का होता है?
- (1) 2 (2) 3 (3) 4 (4) 5
- 2 वाष्पोत्सर्जनकी दर का निर्धारण किस यंत्र द्वारा किया जाता है?
- (1) पोटोमीटर। (2) हाइड्रोमीटर। (3) लेक्टोमीटर (4) बैरोमीटर
- रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।
- 3 पादपों में सर्वाधिक वाष्पोत्सर्जन..... द्वारा होता है?
- 4 पादपों में उपापचय क्रियाओं के दौरान जल का उपयोग.....प्रतिशत होता है?
- सही व गलत बताइए।
- 5 पत्तियों के ऊपर छोटे-छोटे छिद्रों को रंध्र कहते हैं? ✓\x
- 6 पौधों में न्यूनतम वाष्पोत्सर्जन वात रंध्र वाष्पोत्सर्जन द्वारा होता है? ✓\x
- अति लघु आत्मक प्रश्न=
- 7 वाष्पोत्सर्जन किसे कहते हैं?
- गृह कार्य=
- 8 वाष्पोत्सर्जन के प्रकारों का सचित्र वर्णन कीजिए?



PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

1. Thanku



PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

“बालिका शिक्षा व स्वास्थ्य से संबंधित योजनाओं के प्रति उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन”

"STUDY OF AWARENESS OF STUDENTS OF HIGHER SECONDARY LEVEL ABOUT SCHEMES RELATED TO GIRL CHILD EDUCATION AND HEALTH"

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

को

शिक्षा अधिस्नातक उपाधि
की आंशिक पूर्ति हेतु प्रस्तुत
लघु शोध प्रबन्ध



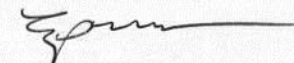
सत्र : 2020-22

निर्देशिका

डॉ. आरती गुप्ता
(असिस्टेंट प्रोफेसर)

प्रस्तुतकर्त्री

मोनिक्का श्रेखावत
(एम.एड. छात्रा)



PRINCIPAL

BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

बियानी गर्ल्स बी.एड कॉलेज,
जयपुर (राजस्थान)

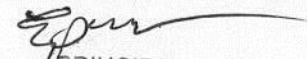
प्रस्तावना —

- (i) "स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है।"
- (ii) "स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है।"
- (iii) "शिक्षा से तात्पर्य बालक या मनुष्य के शरीर में, मस्तिष्क में, आत्मा में सर्वांगीण एवं सर्वोत्तम विकास करना है।"

— महात्मा गाँधी

■ उक्त पंक्तियाँ स्वास्थ्य एवं शिक्षा की महत्ता को परिलक्षित करती हैं। जिस देश की जनसंख्या स्वस्थ व शिक्षित होगी वह देश विकसित देशों की श्रेणी में अग्रिम पंक्ति में सम्मिलित होगा।

शिक्षा प्रगति का द्वार है। शिक्षा मानव के सर्वांगीण विकासार्थ संजीवनी का कार्य करती है। शिक्षा के द्वारा ही मनुष्य में विनम्रता, सहजता, उदारता, सहनशीलता जैसे महान गुणों को सीखा जा सकता है।


PRINCIPAL

BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

समस्या का औचित्य

- प्रस्तुत समस्या "बालिका शिक्षा व स्वास्थ्य से संबंधित योजनाओं के प्रति विद्यार्थियों के दृष्टिकोण व जागरूकता का अध्ययन" से संबंधित है।
- यह सर्वविदित सत्य है कि शिक्षा व स्वास्थ्य किसी भी व्यक्ति, समाज व राष्ट्र के विकास की धुरी है।
- स्वास्थ्य व शिक्षा को संविधान में मौलिक अधिकारों अर्थात् शिक्षा के अधिकार तथा जीवन जीने के अधिकार अनुच्छेद 21 के तहत सभी को शिक्षा व स्वस्थ जीने का मौलिक अधिकार प्राप्त है।
- परन्तु समाज में शिक्षा व स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के अभाव के कारण ज्यादातर महिलाएँ व बालिकाएँ शिक्षा व स्वस्थ जीवन शैली से वंचित रह जाती हैं।
- देश में 1951 में महिलाओं की साक्षरता दर 8.86% थी व 2011 की जनगणना (स्रोत: भारत 2006 प्रकाशन विभाग, भारत सरकार) के अनुसार देश की 46.46 करोड़ की महिला आबादी में मात्र 53.67% महिलाएँ ही साक्षर हैं जिसका अर्थ यह हुआ कि भारत में लगभग आज भी 22.91 करोड़ महिलाएँ निरक्षर हैं।



PRINCIPAL

BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

संमस्या कथंन

- “बालिका शिक्षा व स्वास्थ्य से संबंधित योजनाओं के प्रति उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की जागरूकता का अध्ययन।”




PRINCIPAL

BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

समस्या का महत्व

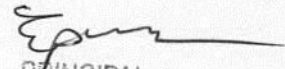
- किसी भी देश का वर्तमान और भविष्य उस देश में रहने वाले नागरिकों पर निर्भर करता है।
- शिक्षा का स्तर उच्च व स्वस्थ देश विकसित देशों की अग्रिम पंक्ति में सम्मिलित होने में सक्षम होगा।
- भारत जैसे विशाल देश में जो जनसंख्या की दृष्टि से दूसरे स्थान पर काबिज है। अतः देश में स्वास्थ्य एवं शिक्षा से संबंधित सरकार द्वारा अनेक जनकल्याणकारी कार्यक्रम व योजनाएँ संचालित की जाती है जिससे लोग लाभान्वित हो सकें।
- परन्तु जागरूकता के अभाव में वे लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। अतः शोधकर्त्री ने उपर्युक्त समस्या का चुनाव किया जिसके पीछे कारण था कि संचालित योजनाओं के प्रति जागरूकता का स्तर कितना है।


PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NACAR, JAIPUR

अध्ययन के उद्देश्य

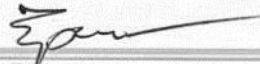
(1) उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों में बालिका शिक्षा से संबंधित योजनाओं के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।

(2) उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों में बालिका स्वास्थ्य से संबंधित योजनाओं के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।


PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

अध्ययन की परिकल्पनाएँ

- बालिका शिक्षा से संबंधित राजश्री योजना के प्रति उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की जागरूकता में अन्तर नहीं है।
- बालिका शिक्षा से संबंधित गार्गी पुरस्कार योजना के प्रति सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की जागरूकता में विशेष अन्तर नहीं है।
- बालिका शिक्षा से संबंधित हमारी बेटी योजना के प्रति सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की जागरूकता में अन्तर नहीं है।
- बालिका शिक्षा से संबंधित "नन्हीं कली योजना" के प्रति सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की जागरूकता में विशेष अन्तर नहीं है।
- बालिका स्वास्थ्य से संबंधित "उड़ान योजना" के प्रति सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की जागरूकता में विशेष अन्तर नहीं है।


PRINCIPAL

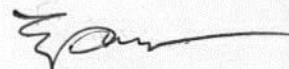
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

शिक्षा

तकनीकी शब्द

स्वास्थ्य

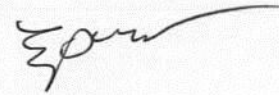
योजना


PRINCIPAL

BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

अनुसंधान में प्रयुक्त विधि

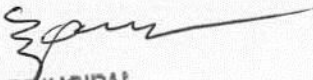
- प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।



PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC-3 VIDHYA DHAR NAGAR, JAIPUR

शोध में प्रयुक्त उपकरण

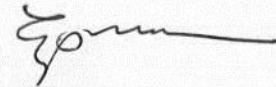
- प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्त्री द्वारा स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया।


PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

जनसंख्या

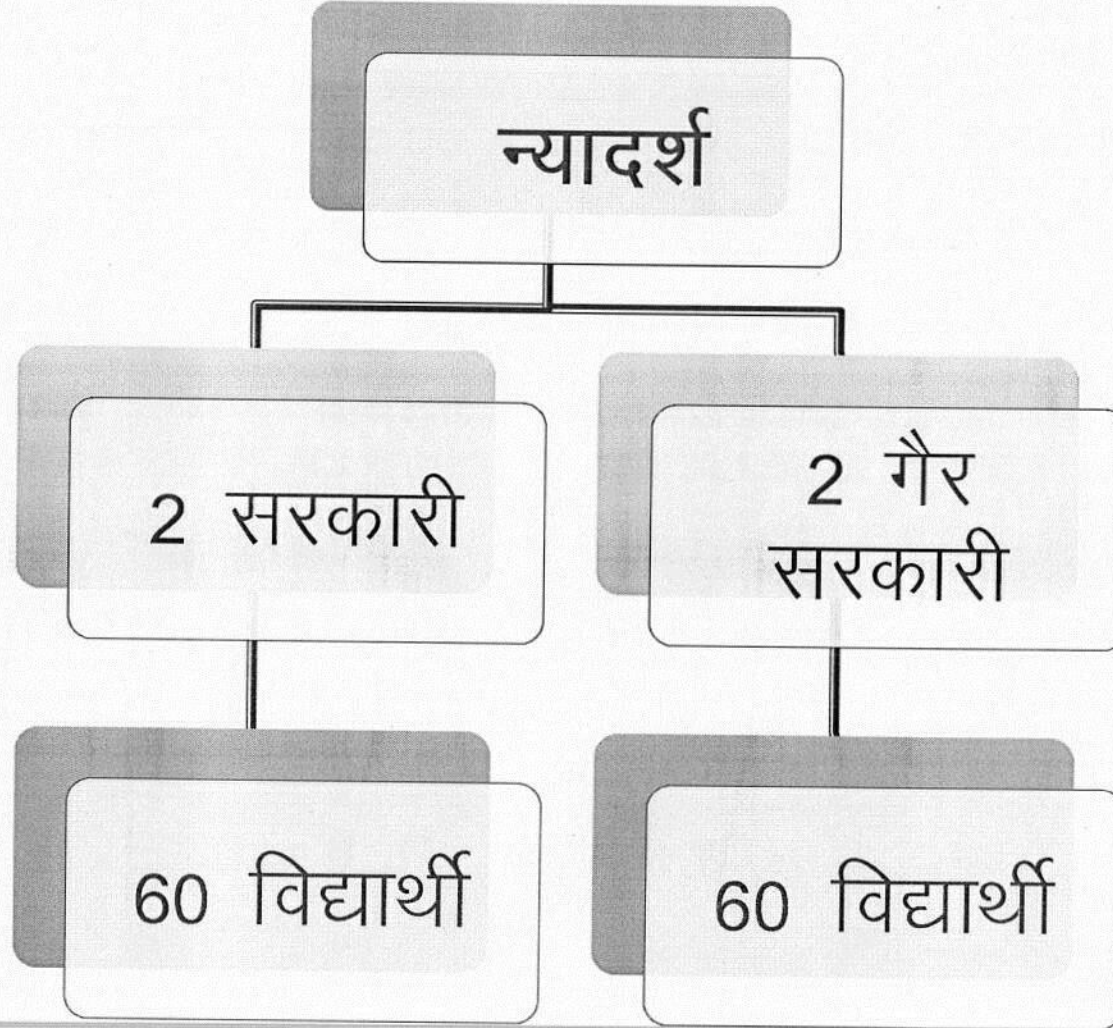
- प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्त्री द्वारा जयपुर शहर के सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों का चयन किया

गया।



PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

न्यादर्श



PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

चर

स्वतन्त्र चर

बालिका शिक्षा व स्वास्थ्य से
संबंधित योजनाओं का
अध्ययन

आश्रित चर

सरकारी व गैर सरकारी
विद्यालय के विद्यार्थी

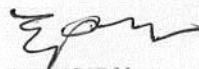
प्रदत्तों के स्रोत

प्राथमिक
स्रोत —

जयपुर शहर के
सरकारी व
गैर-सरकारी
विद्यालय के विद्यार्थी।

द्वितीयक
स्रोत —


पुस्तक,
पत्र-पत्रिकाएँ, लेख
आदि।


PRINCIPAL

BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकी

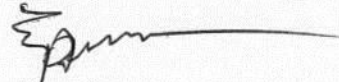
- प्रस्तुत शोध में प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण एवं विवेचन हेतु प्रतिशत व बार ग्राफ का प्रयोग किया जाएगा।



PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

परिसीमाएं

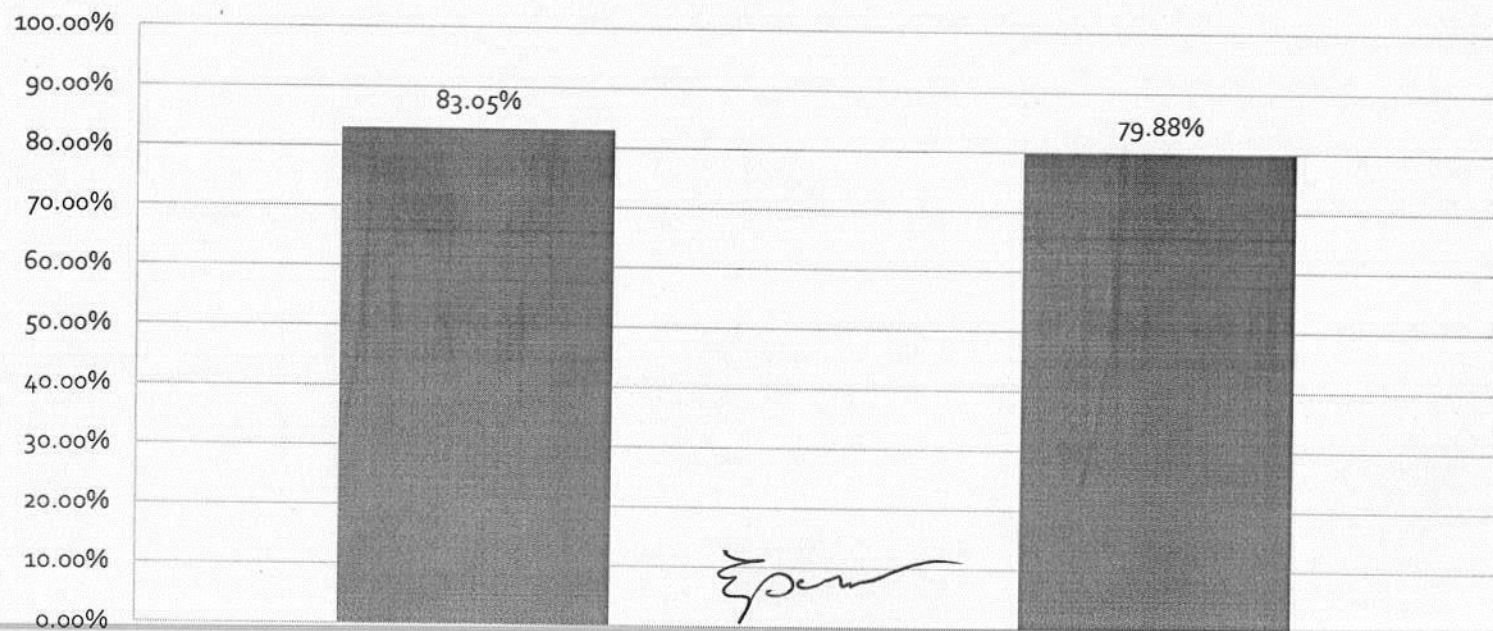
- भौगोलिक आधार पर अध्ययन को जयपुर जिले तक ही सीमित किया जायेगा।
- यह अध्ययन सरकार द्वारा संचालित बालिका शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधित योजनाओं तक ही सीमित है।
- इस अध्ययन में चार विद्यालय (सरकारी व गैर सरकारी) विद्यालय के विद्यार्थियों को ही सम्मिलित किया गया है।
- शोध कार्य हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग दत्त संकलन हेतु किया गया है।
- सम्बन्धित शोध में केवल 120 विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में शामिल किया गया है।


PRINCIPAL

बालिका शिक्षा से संबंधित राजश्री योजना के प्रति सरकारी व गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की जागरूकता में विशेष अंतर नहीं है।

क्र.सं.	श्रेणी	विद्यार्थी संख्या	प्रतिशत
1.	सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी	60	83.05%
2.	गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी	60	79.88%

राजश्री योजना के प्रति जागरूकता का अध्ययन



सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी

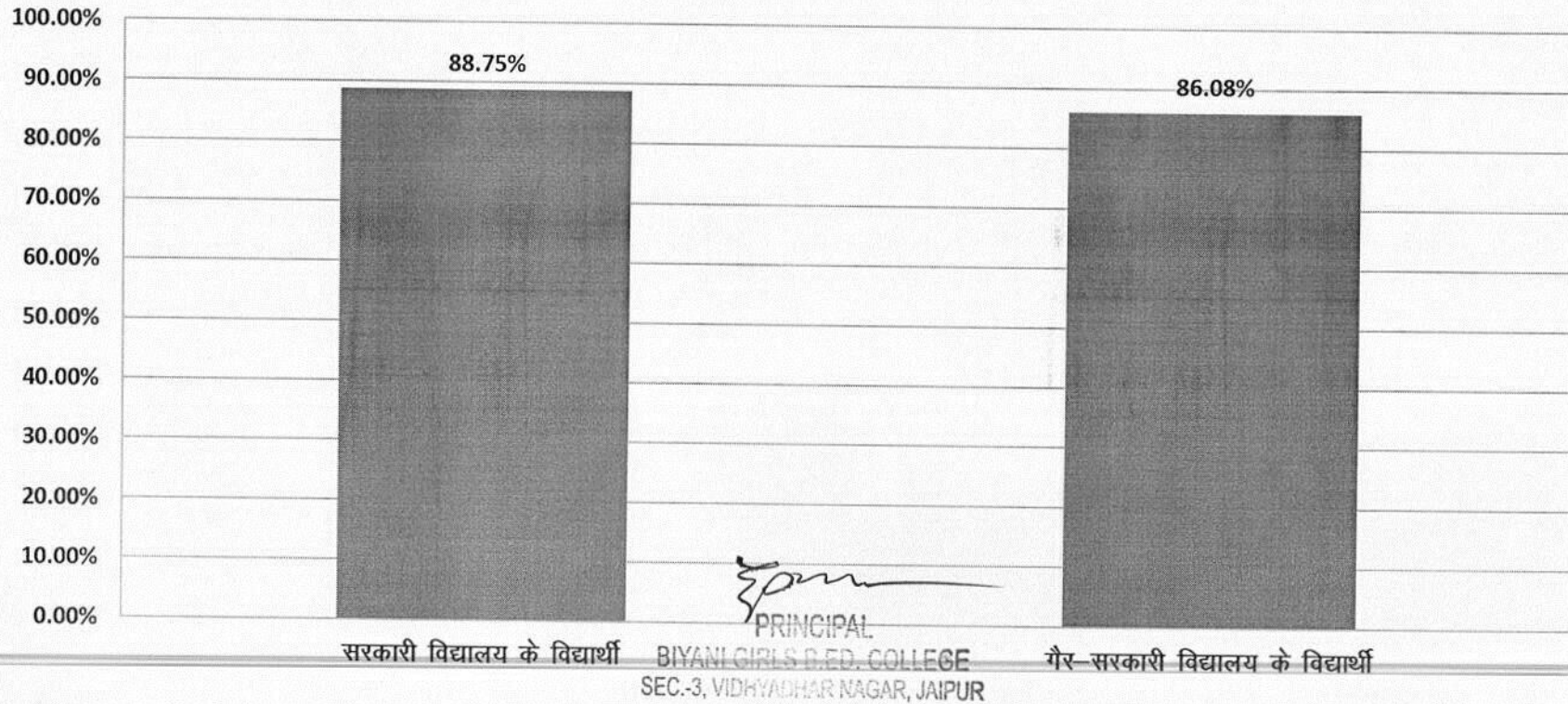
PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
REC-3, DRYADHAR NAGAR, MIPUR

गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी

बालिका शिक्षा से संबंधित गार्गी पुरस्कार योजना के प्रति सरकारी व गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की जागरूकता में अंतर नहीं है।

क्र.सं.	श्रेणी	विद्यार्थी संख्या	प्रतिशत
1.	सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी	60	88.75%
2.	गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी	60	86.08%

गार्गी पुरस्कार योजना के प्रति जागरूकता



सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी

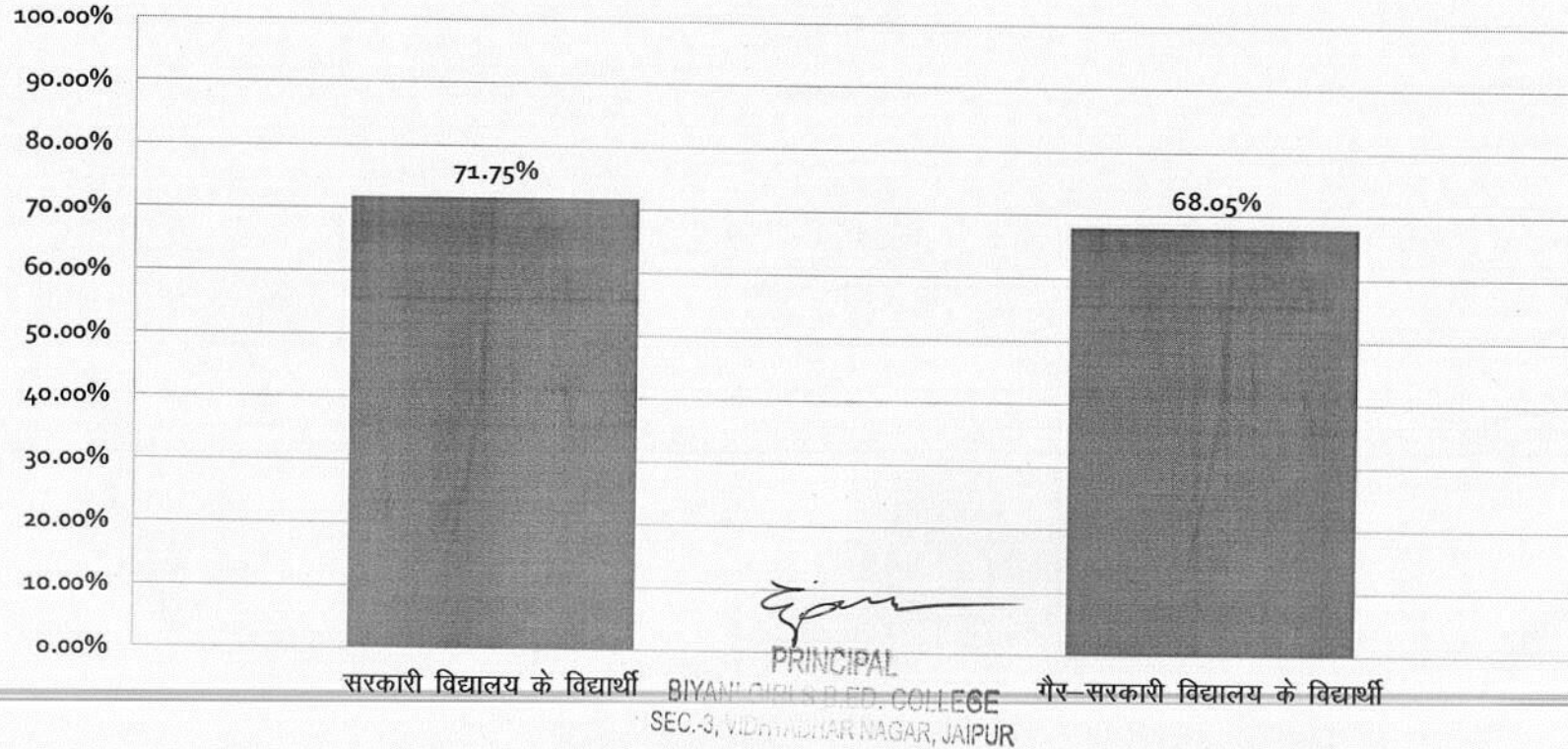
PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी

बालिका शिक्षा से संबंधित हमारी बेटी योजना के प्रति सरकारी व गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की जागरूकता में विशेष अंतर नहीं है।

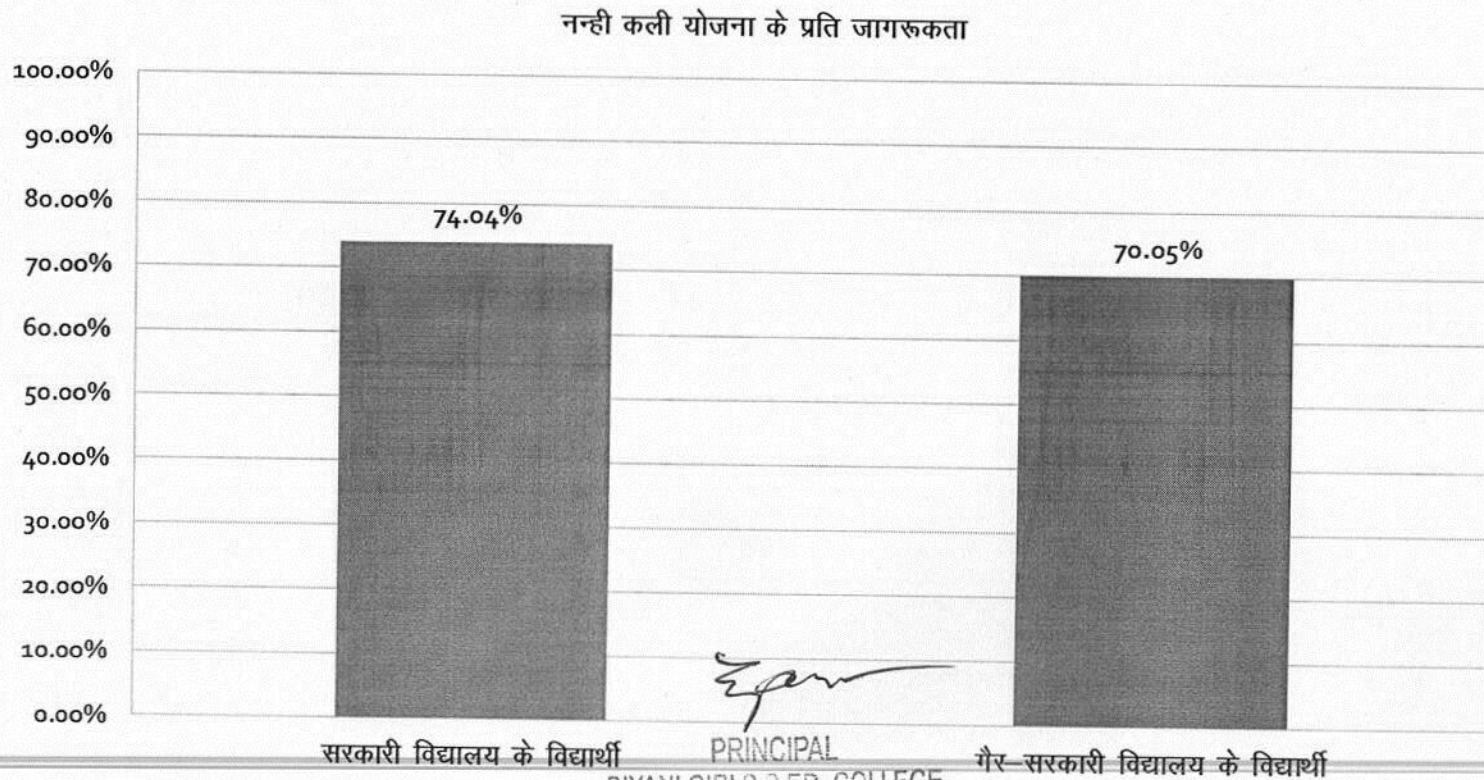
क्र.सं.	श्रेणी	विद्यार्थी संख्या	प्रतिशत
1.	सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी	60	71.75%
2.	गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी	60	68.05%

हमारी बेटी योजना के प्रति जागरूकता



बालिका शिक्षा से संबंधित नन्ही कली योजना के प्रति सरकारी व गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की जागरूकता में अंतर नहीं है।

क्र.सं.	श्रेणी	विद्यार्थी संख्या	प्रतिशत
1.	सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी	60	74.04%
2.	गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी	60	70.05%



सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी

PRINCIPAL

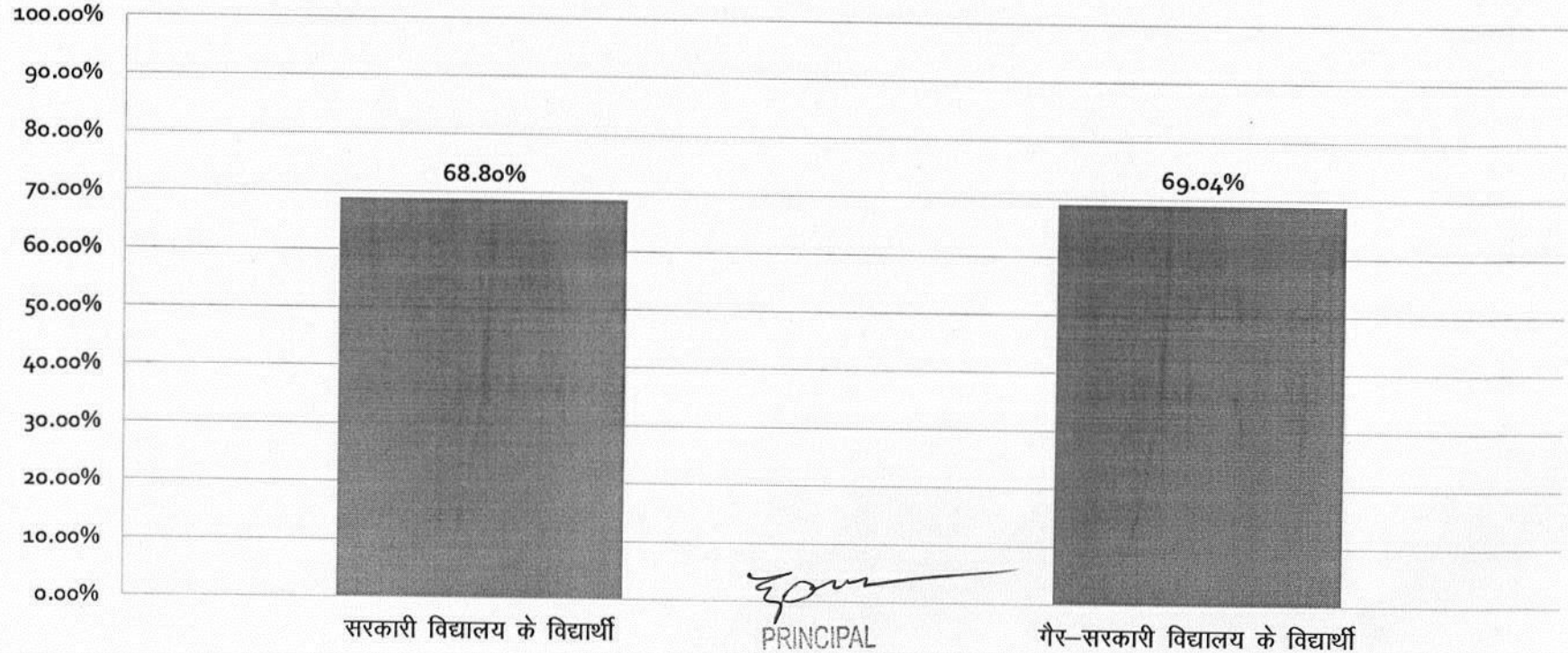
गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी

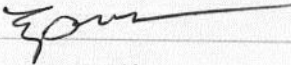
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

बालिका शिक्षा से संबंधित उड़ान योजना के प्रति सरकारी व गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की जागरूकता में अंतर नहीं है।

क्र.सं.	श्रेणी	विद्यार्थी संख्या	प्रतिशत
1.	सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी	60	68.80%
2.	गैर-सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी	60	69.04%

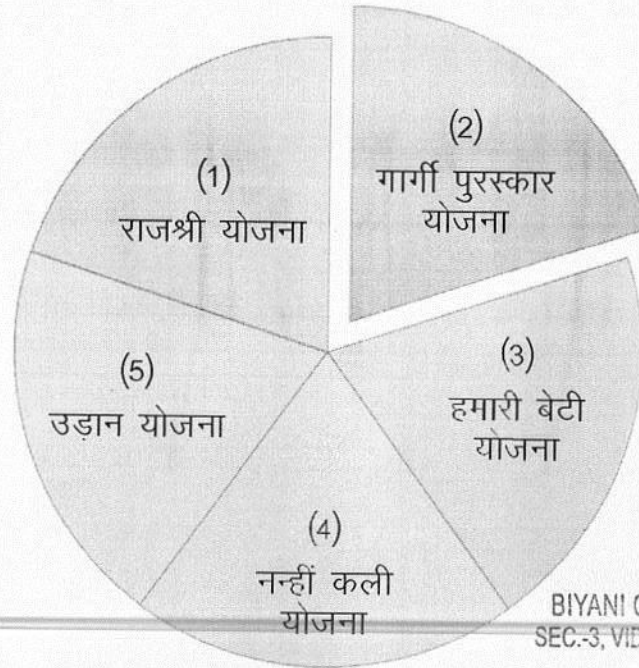
उड़ान योजना के प्रति जागरूकता




PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

कुल परिणाम

क्र.सं.	मानक	विद्यार्थी	प्रश्नों की संख्या	कुल परिणाम
1.	राजश्री योजना			65.80
2.	गार्गी पुरस्कार योजना			62.77
3.	हमारी बेटी योजना			75.94
4.	नन्हीं कली योजना			56.57
5.	उड़ान योजना			49.43
	कुल	120	25	



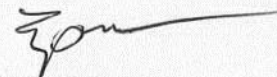
[Handwritten Signature]

PRINCIPAL

BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

भावी शोध हेतु सुझाव

- यह शोध जयपुर क्षेत्र के सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों तक ही सीमित रखा गया है। भावी शोध हेतु अन्य जिलों व राज्य के विद्यार्थियों का भी चयन किया जा सकता है।
- यह शोध कार्य सरकारी व गैर-सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के तुलनात्मक अध्ययन के लिए प्रयुक्त किया गया है।
- आगामी शोध कार्य विस्तृत न्यादर्श को लेकर भी किया जा सकता है।
- प्रस्तुत शोध कार्य को साक्षर अभिभावकों व निरक्षर अभिभावकों के प्रत्यक्षीकरण पर तुलनात्मक अध्ययन भी किया जा सकता है।
- प्रस्तुत शोध कार्य केवल बालिका शिक्षा व स्वास्थ्य से संबंधित योजनाओं हेतु किया गया। भावी शोध हेतु अन्य सरकारी योजनाओं के अध्ययन को भी शामिल किया जा सकता है।




PRINCIPAL

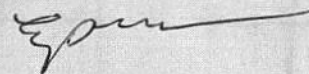
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

■ Thank

you


PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC-3 VIKRAM NAGAR, JAIPUR

EDUCATIONAL TECHNOLOGY



PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

TECHNOLOGY:

It is the application of scientific theory or practical skills.

Two types of understanding educational technology :

i) Behaviour change

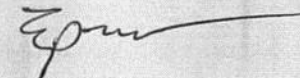
(a) Preserving the knowledge

(b) Transmission of knowledge

(c) Development of knowledge

ii) Psychological and science principal :

when psychological and scientific principle are used for attainment of objective, development of students activity , development of teaching , activity is called another part of educational technology.



PRINCIPAL

BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

DEFINITION OF EDUCATIONAL TECHNOLOGY:

- Educational technology can be understood as managing the development of a systematic technique and practical knowledge for designing testing operating schools as educational system.

- Robert and Gene

- Educational technology is a systematic application of scientific knowledge , law , principles and recent development of technology to the process of teaching with the views to improve the effectiveness of teaching and training .

- S.P. kulshrestha



PRINCIPAL

BIYANI GIRLS' SEC. COLLEGE
SEC. 2, UDAHARA, RAIPUR

- Educational technology is the application of scientific knowledge to learning condition.

- Robert A koka


- Educational technology may be defined as a systematic way of designing carrying out and evaluating learning in terms of specific objectives based on findings from research in human learning and communication (cited in, 1979:159).

- US President commission of

enquiry

- Educational technology has to be seen as a part of a persistence and complex endeavour of bringing pupils, teachers and technical means together is an effective way (Ford Foundation Team ,1971)

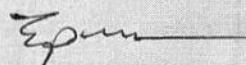
- J.R.Gases


PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

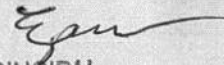
ORIGIN AND HISTORY

Educational technology , in terms of terminology and structural composition, may carry out two basic components, namely education and technology. We are focusing here more on the evolutionary nature of the second component , i.e. technology , as a subject has its sole concern with the task identifying the most suitable , appropriate and developed technology for serving educational needs and purposes of the students and the society at a particular time and place .

The use of technologies means and measures for improving the process and products of education depending upon the type of excellence attained by the members of the society and communities all over the globe in terms of scientific , philosophical, psychological and technological progress and advances.


PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR


- In the early period of human history , when writing was unknown , the method of verbal presentation on the part of the teachers and citation and memorization on the part of the students was a common practice in almost all the civilization of the world .
- Socrates teachers – pupil oral dialogue system prevalent in the west and oral teaching tradition maintained by the ancient sages in the in the GURUKULS of our country may be cited as a testimony of the use of relevant technology on the field of teaching – learning at particular age in the progress of human civilization.
- The use of writing and printing technology then took its next helping the cause of teaching and learning by utilized in the production and use of the instructional material like chalkboard , pictures , chart, models, maps, diagrams and other graphics materials.
- The concept of programmed instruction and theories. Later on, added another dimension to the meaning and concept of educational technology. This was again broadened when the new approaches in the form of system approach , microteaching , interaction , analysis and computer assisted instruction came into existence.



PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC-3, VARDOLA, JAPUR

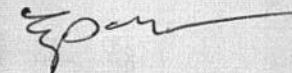
CHARACTERISTICS OF EDUCATIONAL TECHNOLOGY:

1. Based on science and technology.
2. Application of scientific principle.
3. Continuous and dynamics methods.
4. Emphasis on teaching learning method and techniques.
5. Educational technology is a comprehensive term.
6. It is a systematic approach.


PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
V.3. VIDHYA PUR

IMPORTANCE OF EDUCATIONAL TECHNOLOGY :

1. Students – centred and objectives – centred process.
2. Collaboration approach .
3. Effective presentation
4. Proper use of teaching aid
5. Improve teaching learning process
6. New media for self expressive
7. Development of curriculum



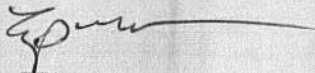
PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

APPROACHES OF EDUCATIONAL TECHNOLOGY:

Educational
technology I :
HARDWARE
APPROACH

technology in
education

technology in
machines


PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC.-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

Educational technology II : SOFTWARE APPROACH

Instructional technology

behaviour technology

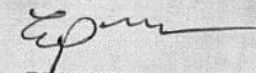
no use of machine

focus on psychological and science principles

problem solving techniques

use of new methodology

input, output, process



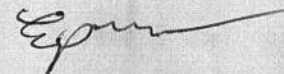
PRINCIPAL

BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE

SEC. 3, VILLAGE BIYANI, DIST. PUR

ROLE OF HARDWARE AND SOFTWARE TECHNOLOGIES IN MODERN EDUCATIONAL PRACTICES:

- Individualization of instruction
- Use of multimedia and multi-sensory approach to teaching- learning
- Management of the affairs of educational practices in an efficient and productive ways
- Providing proper input and process for the best possible outcomes
- Fulfilling the expectation of distances and correspondence education
- Making the task of teaching-learning interest, purposeful and productives

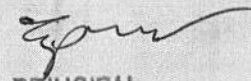


PRINCIPAL

BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC-3 VIDYADHAR NAGAR, JAIPUR

EDUCATIONAL TECHNOLOGY III OR SYSTEM APPROACH :

- This types of educational technology is related to the concept of system engineering which owes its origin to the computer science . It represents the latest concepts in educational technology of education .
- The system approach takes education as a system having a set of input which are subjected to a process , design to produce certain output which are intended to meet the stipulated objectives of system.
- Thus, in system approach , one has to make a continuous comparison of the different roles played by man, machine and media in a system of education and develop an appropriate instruction design and strategy in relation to the stipulated objectives.

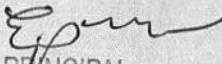


PRINCIPAL

BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
REC-3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

SCOPE AND SIGNIFICANCE OF EDUCATIONAL TECHNOLOGY:

- Analysis of the process of teaching and learning
- Spelling out the educational goals or objectives
- Development of curriculum
- Development of teaching-learning material
- Teaching preparation or teaching-training
- Development and selection of the teaching-learning strategies and topics
- Development , selection and use of the appropriate audio-visual aids.


PRINCIPAL


BIYANI GIRLS R.E.D. COLLEGE
SEC-3, V.P. ROAD, JAIPUR

USE AND SIGNIFICANCE OF EDUCATIONAL TECHNOLOGY (IN THE INDIAN CONTEXT)

In India , before the 1960's the term educational technology was almost unknown to the educational system. It was used as synonym to audio-visual teaching aids. The role of educational technologist in India , today, is not merely that of an audio – visual aid master , hardware expert , media expert or programmed text writer , but of one who is concerned with the information of an overall design to carry out an evolution of the total process of education in terms of specific objectives.

Some of the significant development in this direction may be summarized as follows:

1. There has been a wider and more effective utilization of radio for broadcasting educational programmes are throughout the country. These well planned programmes are now broadcast throughout the country for both in-school and out-school groups.

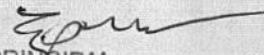


PRINCIPAL

BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC. 3, VIDHYADHAR NAGAR, JAIPUR

2. Another significant development in the use of educational technology is concerned with the development of television programmes.
3. The third important area where educational technology has been useful is the problem of – training and re- training a large number of school teachers in an effective way.
4. Another application of education technology in our country is known as distance education.
5. Another major area where educational technology is being used in our country relates to language instruction.
6. Another use for which educational technology is being put in our country is concerned with preparation , development and utilization of audio – visual material, and handling as well as maintenance of the hardware appliances and sophisticated gadgets.
7. In the latest trend , educational technology is providing its worth by utilizing the services of computers and advanced form of ICT technology in the field of education.

The educational technology has been providing its worth in our country by guiding , planning , implementing and evaluating various programmes of formal as well as nonformal education.


PRINCIPAL
BIYANI GIRLS B.ED. COLLEGE
SEC-3, VIDYALAYA, JALPAIGURI, JALPAIGURI, JALPAIGURI, JALPAIGURI